2 मार्च, 2021

शहीद हेमराज मीणा की प्रतिमा स्थापना के अवसर पर संबोधन (सांगोद, कोटा)

——

देवियो और सज्जनो,

- सबसे पहले मैं राजस्थान के लाडले, मातृभूमि के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीद हेमराज मीणा को शत-शत नमन करता हूँ। सांगोद की धरती कुछ ही समय में एक तीर्थ का स्वरूप ले चुकी है।

- भारत माता के वीर सपूत शहीद हेमराज मीणा की प्रतिमा की स्थापना करवाना मेरा व्यक्तिगत संकल्प था जिसे आज पूरा होते देख कर मुझे बहुत आत्मिक संतुष्टि हो रही है।

- साथियो, 14 फरवरी 2019 का वह दिन आज भी हमारी यादों में ताजा है जब कायराना हरकत के कारण हमारे 40 जवान शहीद हुए थे। पूरे देश में शोक और आक्रोश की लहर थी।

- जब पूरे राजकीय सम्मान के साथ शहीद हेमराज मीणा का पार्थिव शरीर कोटा पहुंचा, तो जनता का अपार स्नेह उमड़ता देखा था। सभी लोग शहीद को श्रद्धांजलि देने को आतुर थे। उन्हें कंधा देते हुए मुझे भी गर्व का अनुभव हो रहा था।

- जब मैं शहीद के परिवार से मिला तो वह मेरे लिए काफी भावुक पल था। उस दिन से यह परिवार मेरा परिवार बन गया है। हमारे राजस्थान के साथ-साथ संपूर्ण भारत भूमि उनकी माता रतनबाई और पिता हरदयाल मीणा जी की कृतज्ञ है। हम सब बहन मधुबाला के ऋणी हैं।

- साथियो, राजस्थान की मिट्टी ने अनगिनत महान शहीदों को जन्म दिया है। इसका कण- कण देशभक्ति की भावना में समर्पित है। मैं इस पुण्य धरा को कोटि-कोटि नमन करता हूं। हमारा गौरवशाली अतीत और सशक्त वर्तमान एवं उज्ज्वल भविष्य राजस्थान की माताओं के हाथों में सुरक्षित है। उनकी दयालुता, उनकी करूणा, उनकी वीरता और उनके त्याग का मैं जितना वर्णन करूं, कम है।

- राजस्थान की धरती में देशभक्ति की ऐसी लहर है, जिसने सदा ही देश की हर प्रकार से सेवा की है। मुझे यकीन है कि अतीत से वर्तमान तक और वर्तमान से भविष्य तक के सफर में यहां की माताओं, बहनों, युवाओं, जवानों एवं अनुभवी बहादुरों का योगदान सदैव याद किया जाता रहेगा।

- हमारे राजस्थान की पुण्य धरा देशभक्ति के अमृत रस में डूबी हुई है। यहां के जवानों ने सैनिक के रूप में अपनी वीरता और शौर्य के जो कारनामे पूरे देश को दिखाएं हैं, वह अद्भुत है।

- मुझे यह जानकर और भी गर्व होता है कि शहीदों की विधवाएं अपने बेटे-बेटियों को भी फौज में भेजने की बात करती हैं। यह परम देशभक्ति है। ऐसा इसलिए है कि यहां का इतिहास शौर्य, साहस, संकल्प, सर्वस्व न्योछावर करने एवं सफलता के लिए समर्पण की कृतियों से भरा हुआ है।

- वे देश के लिए की गई कुर्बानियों का महत्व बखूबी समझती हैं। यह समर्पण भाव जन्म से ही उनके रक्त में है।
- आज अमर शहीद हेमराज मीणा जी के परिवारजनों से मिलकर मेरे मन में अत्यंत गर्व और संतोष के भाव हैं। राष्ट्र के लिए जीने और मरने को तैयार ये जांबाज परिवार हमें यकीन दिलाते हैं कि-

'उस मुल्क की सरहद को कोई छू नहीं सकता,

जिस मुल्क की सरहद की निगहबान है आंखें।'

- हमारे सैनिक सरहदों पर, बर्फीले पहाड़ों पर, चिलचिलाती धूप में, सागर और आसमान में, पूरी बहादुरी और चौकसी के साथ, देश की सुरक्षा में समर्पित रहते हैं। वे बाहरी खतरों से सुरक्षा करके हमारी स्वाधीनता सुनिश्चित करते हैं।
- उन पर हम सभी देशवासियों को बहुत गर्व है और उनकी बेहतरी के लिए जो भी कदम उठाए जाते हैं, उनसे हमारा आत्मविश्वास और सुदृढ होता है।
- जब हम उनके लिए बेहतर हथियार उपलब्ध कराते हैं, स्वदेश में ही रक्षा उपकरणों के लिए सप्लाई चेन विकसित करते हैं और सैनिकों को कल्याणकारी सुविधाएं प्रदान करते हैं तब हम अपने स्वाधीनता सेनानियों के सपनों का भारत बनाते हैं।
- हमारी पुलिस और अर्धसैनिक बल अनेक प्रकार की चुनौतियों का सामना करते हैं। वे आतंकवाद का मुकाबला करते हैं तथा अपराधों की रोकथाम और कानून-व्यवस्था की रक्षा करते हैं। साथ ही साथ, वे प्राकृतिक आपदाओं के समय वह हम सबको सहारा देते हैं। जब हम उनके कामकाज और व्यक्तिगत जीवन में सुधार लाते हैं, तब हम अपने स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों का भारत बनाते हैं।
- ऐसे ही जब हम अपनी भारत माता के लिए प्राण न्योछावर करने वाले सपूतों को सच्ची श्रद्धांजलि देते हैं, तब हमें इस देश की सेवा करते हुए अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले पूर्वजों का आशीर्वाद मिलता है।
- आज सांगोद की पुण्य धरती पर स्थापित अमर शहीद हेमराज मीणा की प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी सिद्ध होगी। स्वर्गीय हेमराज जी की वीरता, जांबाजी और शौर्य से हम सब प्रेरणा लेते रहेंगे।
- आज कोटा की जनता मेरे साथ इस शूरवीर को अपनी श्रद्धांजलि देने में पूरी तरह से शामिल है।
- मैं एक बार फिर पुन: अमर शहीद श्री हेमराज मीणा जी को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं।
- जब तक भारत भूमि है, आपका बलिदान अमर रहेगा। भारत माता की जय। जय हिंद।
- धन्यवाद।

.....